भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 31.01.2019

आइआइटी शताब्दी समारोह में आएंगे पीएम मोदी

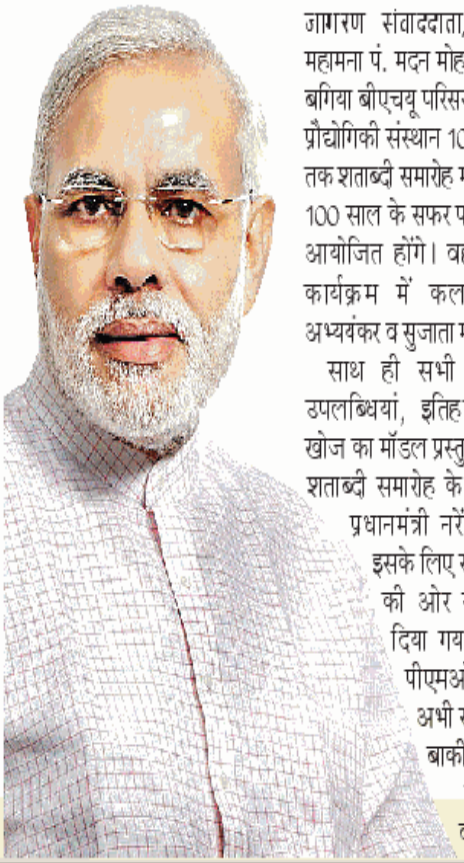

जागरण संवाददाता, वाराणसी : महामना पं. मदन मोहन मालवीय की बगिया बीएचयू परिसर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान 10 से 12 फरवरी तक शताब्दी समारोह मनाने जा रहा है। 100 साल के सफर पर कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार संजीव अभ्यंकर व सुजाता महापात्रा आएंगे।

साथ ही सभी विभागों की उपलब्धियां, इतिहास व बेहतर खोज का मॉडल प्रस्तुत किए जाएंगे। शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। इसके लिए संस्थान प्रशासन की ओर से न्योता भेज दिया गया है। हालांकि पीएमओ की ओर से अभी स्वीकृति मिलनी बाकी है।

महामना ने वर्ष 1916 में बीएचयू की स्थापना कर आजादी के पूर्व ही शिक्षा के क्षेत्र में बड़े कदम की शुरुआत कर दी थी।

इसके तीन साल बाद इसी परिसर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। अंग्रेजों की मंशा के विपरीत शुरू हुई इस कवायद में बाधा न पहुंचे इसके लिए चार्ल्स किंग को प्रिंसिपल बनाया गया।

मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल विषय से शुरू हुई इंजीनियरिंग की पढ़ाई और विषयों को जोड़ते हुए आगे बढ़ती रही और वर्ष 1972 में आइटी बीएचयू विधिवत स्थापित हुई। अब यह आइआइटी बीएचयू में तब्दील हो चुका है जहां इंजीनियरिंग की सारी विधा पढ़ाई जा रही है। बीएचयू का भी स्थापना दिवस वसंत पंचमी पर मनाया जाता है, जो 10 फरवरी को है। उसी थी आइआइटी भी स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इसके तहत देश-विदेश के पुरातन छात्र-छात्राओं को जोड़ने के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समितियों ने तैयारी भी शुरू कर दी है।

समारोह

- 100 साल का सफर पूरा होने पर 10 से 12 फरवरी तक आयोजित होंगे कार्यक्रम
- सांस्कृतिक कार्यक्रम में होंगे संजीव अभ्यंकर व सुजाता महापात्रा

शताब्दी समारोह की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इसके मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री होंगे। इसके लिए उनको न्योता भेज दिया गया है। इसपर जल्द ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

प्रो. पीके जैन, निदेशक आइआइटी, बीएचयू

आइआइटी बन गया बेंको

1916 में बीएचयू की स्थापना हुई। तीन साल बार 1919 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। इसे बेंको (बनारस इंजीनियरिंग कालेज) नाम दिया गया। उस दौरान मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल की संयुक्त डिग्री मिलती थी। एक दशक बाद दोनों की अलग डिग्री मिलनी शुरू हुई। इसके बाद 1932 में टेक्नो कालेज की शुरुआत हुई जिसमें तीन विभाग सिलिकेट (अब सिरेमिक), फार्मेसी और केमिकल इंजीनियरिंग शामिल थे। बाद में माइनिंग और मेटलर्जी की शुरुआत हुई जिसे मिनमेट के नाम से जाना जाने लगा यानी बीएचयू में इंजीनियरिंग के तीन कालेज चल रहे थे जिसमें अन्य कई विषय जुड़ चुके थे। इसके बाद तीनों को मिलकर 1972 में आइटी (प्रौद्योगिकी संस्थान) की स्थापना हुई। इसके बाद वर्ष 2012 में इसको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का दर्जा मिल गया।